



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 475 ]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 28, 1999/आश्विन 6, 1921

No. 475 ]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 28, 1999/ASVINA 6, 1921

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1999

सा.का.नि. 666 (अ).—राष्ट्रपति, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 (1971 का 56) की धारा 10 की उप-धारा (1) के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. 794(अ) दिनांक 8 सितम्बर, 1976 के अन्तर्गत प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के दिनांक 8 सितम्बर, 1976 के आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा नियंत्रक और महालेखापरीक्षक को दादरा और नगर हवेली प्रशासन के खातों का हिसाब रखने के दायित्व से मुक्त करते हैं।

2. यह आदेश अक्टूबर, 1999 के पहले दिन से लागू होगा।

[एफ सं. 1(91)-बी.(आर.)/98]

राष्ट्रपति के नाम पर और आदेश से,

जे. एस. माथुर, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
ORDER

New Delhi, the 27th September, 1999

G.S.R. 666(E).—In exercise of the powers conferred by the first proviso to Sub-section (1) of Section 10 of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 (56 of 1971), and is partial modification of the Order of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) dated the 8th September, 1976 published vide GSR 794(E) dated the 8th September, 1976 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General, hereby relieves the Comptroller and Auditor General from the responsibility for compiling the accounts of Dadra and Nagar Haveli Administration.

2. This order shall come into force on the 1st day of October, 1999.

[F. No. 1(91)-B(R)/98]

By Order and in the Name of the President,  
J. S. MATHUR, Addl. Secy.

